

संगीत नाटक अकादेमी के सहयोग से भारत के विभिन्न प्रांतों में स्वच्छता का संदेश देती पुतुल एवं नाटक मंडलियाँ

नाटक

- दापोन द मिरर, बोडोलैंड टेरिटोरियल एरिया डिस्ट्रिक्ट्स, असम
- खैजोंगलॉग, इम्फाल
- साबुजकोली वेलफेयर सोसाइटी, अगरतला
- इंस्टीट्यूट ऑफ फ़ैक्चुअल थिएटर आर्ट्स, कोलकाता
- दस्तक, अमृतसर
- दृष्टांतर, दिल्ली
- इन्द्रवती नाट्य समिति, सीधी, मध्य प्रदेश
- संदेश नाट्य मंच, उमरिया, मध्य प्रदेश
- बैकस्टेज, इलाहाबाद
- शुरुआत समिति, करनाल
- महाद्वार, मुंबई
- सूत्रधार संस्थान, आजमगढ़
- चिन्हारी जन शिक्षा एवं संस्कृति समिति, बिलासपुर
- निर्मला लक्ष्य संगीतम, भागलपुर
- गांधी हिंदुस्तानी साहित्य सभा (सन्निधि), दिल्ली
- सुमुखा, दिल्ली
- रूपवाणी, वाराणसी
- आकार, इलाहाबाद

पुतुल

- डॉल्स पपेट थियेटर, कोलकाता
- त्रिपुरा पपेट थियेटर, अगरतला
- पपेट हाउस (गोम्बेमेन), धारवाड़
- श्रीराम इंस्टीट्यूट ऑफ़ शैडो थियेटर, भुवनेश्वर
- मयूर पपेट थियेटर, लखनऊ
- साहित्य कलामंडल, मुंबई
- दीपा पपेट संस्थान, लखनऊ
- मेहर-द-ट्रूप, अहमदाबाद
- छाया नाटक ब्रंदम, धर्मावरम
- नटराज पपेट थियेटर, गुवाहाटी
- धन्ना भाट एंड पार्टी, जयपुर
- असम पपेट थियेटर, नलबाड़ी

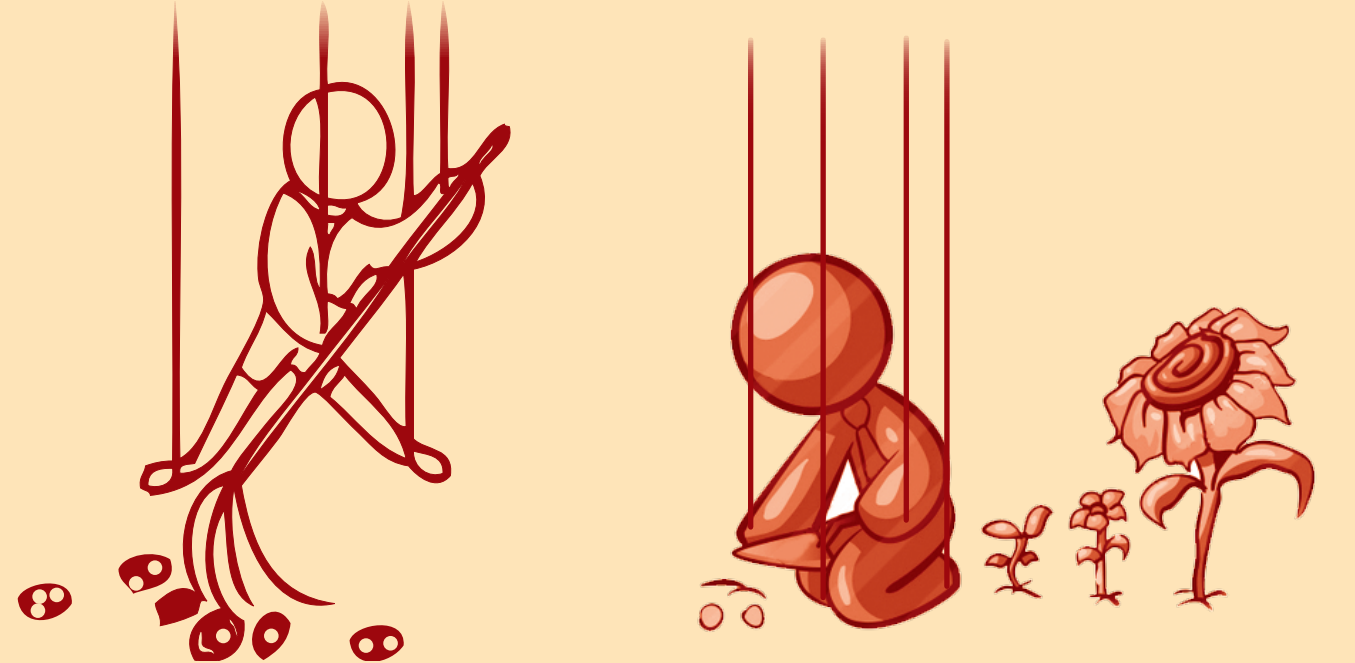


संगीत नाटक अकादेमी

संगीत, नृत्य एवं नाटक की राष्ट्रीय अकादेमी, नई दिल्ली

स्वच्छ भारत मेरा अभियान - पुतुल भी गा रहे अब ये गान

Puppets to pull strings for Clean India



स्वच्छ भारत बने अब नई पहचान।
है इसी में हम सबकी शान।।

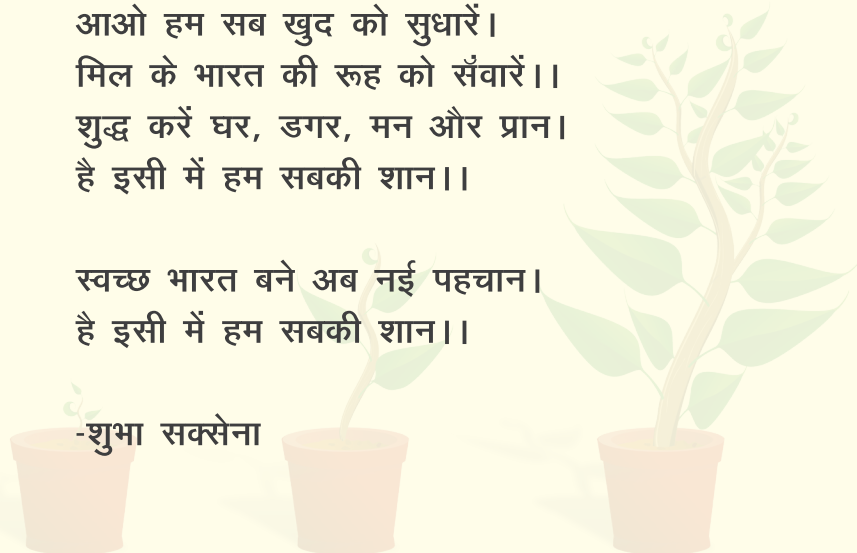
था बापू का यह एक सपना।
स्वच्छ भारत देश हो अपना।।
आओ मिलकर रखें उनका मान।
है इसी में हम सब की शान।।

कुछ भी मुश्किल नहीं है यह काम।
कर सकता है हर ख़ास-ओ-आम।।
गा रहे हैं पुतुल भी यह गान।
स्वच्छ भारत बने नई पहचान।।

आओ हम सब खुद को सुधारें।
मिल के भारत की रूह को सँवारें।।
शुद्ध करें घर, डगर, मन और प्रान।
है इसी में हम सबकी शान।।

स्वच्छ भारत बने अब नई पहचान।
है इसी में हम सबकी शान।।

-शुभा सक्सेना



संगीत नाटक अकादेमी

के तत्वावधान में

स्वच्छ भारत अभियान

उद्घाटन

संतोष देवी तथा बिजेन्द्र सिंह, कर्मचारी, संगीत नाटक अकादेमी द्वारा
श्रीमती हेलेन आचार्य, सचिव की उपस्थिति में

2 अक्टूबर 2014, सायं 5:00 बजे
मेघदूत थिएटर परिसर, कॉपरनिकस मार्ग, नई दिल्ली

सभी का स्वागत है

उत्तरापेक्षी: 011-23387246
फ़ैक्स: 011-23385715

कार्यक्रम संलग्न

कार्यक्रम

- पुतुल नाटक : स्वच्छ, सफ़ाई, जंगल पानी – तोता मैना कहे कहानी, दीपा पपेट संस्थान, लखनऊ
- कविता पाठ : प्रकाश टाटा आनन्द
- नुक्कड़ नाटक : स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत, दृष्टांतर, दिल्ली
- गायन एवं संगीत रचना : प्रवीण शुक्ला, गीतकार : शुभा सक्सेना
- बांसुरी वादन : रोहित आनन्द
- सफ़ाई अभियान पर शपथ व सम्बोधन : हेलेन आचार्य, सचिव, संगीत नाटक अकादेमी
- जलपान

